

Sabandh

Global standard warning label will boost India's packaged food export

વैश्विक स्तरनुं वर्मिंग लेबल भारतना प्रैक्टिक फूड निकासने वेग आपशे

भारतन प्रोसेस करेवा फूडगाना सेवन सावे पेकेजड फूडज असाधारण
शीते वधी रत्ना छे, जेमा भारत विश्वान आधारित कट अंक प्रैक लेबल्सिंग
(FOPL)-ना स्वीकृतताने प्राधान्य आवी रत्ना छे. एक प्रसंगे अवधी उघोग
प्रतिनिधि अने फूड उत्पादकोंने जाहाज्युं हतु के ग्वोबल बहर प्रैक्टिक FOPL,
भास करीने वैश्विक मार्केटमां स्थानी अक्षमो जारा उत्पादित होय तेवा प्रैक्टिक
फूड प्रैक्टिकसनी निकास वयावा माटे घेटू प्रोत्साहक बती रहेणे. अल्प-
प्रासोरक फूड अने बेवरेञ्च - अधातन शीत-प्रोसेस करेवा लोवा उपचात
उपचात्याम आवेदी अंदू, मीटु अने उमेराहोनी वडु मात्रा घरावती वसुग्नो
माटे भारत साथी वडु वूहि दृष्ट घरावे छे. युरोपोनिराना २००९-२०१८ा
वयावाना अंदूका अनुसार, भारतमा पेकेजड जंक फूड अने सोकट ट्रिक्सनुं
झटक मुख्य मात्र १३ वर्षांमा ४४ वडु वडु छे. फूड प्रोसेसिंग उघोग, जेने
भारत सरकार रोजगार सर्कन माटेना मुख्य शेत तरीके जुने छे, ते हालमां
२२०० लिलियन्यु मूल्य घरावे छे अने ते वधीने ३५०० लिलियन वयावी
घरावे छे. भारतीय भाष्य भाजरानो ३२% प्रोसेसिंग उघोग जारा आवदी
वेवामां आव्यो छे. MSME लेन्नु विश्वान उत्पादन स्पाइट अने अन्यत
लोक्तिय ढेवी नासा अने कैंडिक्यानीरी, आ अत्याधार वुलिना मुख्य प्रेरक
छे. आ संभविताने अलाखीने सरकार प्रोसेसिंग उघोग माटे फूड पार्कों
प्रोत्साहित करी रही छे अने प्रासोरक फूडगानी निकासने वयावा पर पक्क नकर
राखे छे. फूड प्रोसेसिंग ई-इन्ड्रीय (PLISFPI) माटे प्रैक्टिकल विक्क
ठन्सेन्टिव स्थीमां ३, १७०८८ करोडो खर्च अंदाजावाम आव्यो छे, ते
भारतमा वैश्विक स्टार्ट फूड मेन्युके अपरिव उपायामों प्रोत्साहित करी छे
अने अंतरराष्ट्रीय भाजरामा निकास माटे भारतीय फूड भान्डसने समर्थन
आपे छे.